रजि. नं. पी.बी./जे.एल.-/0011/2012-14 RNI No. 26281/74

ओ३म्
कृण्वन्तो विश्वमार्यम्

साप्ताहिक
आर्य मर्यादा
आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब का प्रमुख साप्ताहिक पत्र

वर्ष-74, अंक : 54, 6-9 अप्रैल 2017 तदनुसार 27 चैत्र सम्वत् 2074 मूल्य 2 रु०, वार्षिक 100 रु० आजीवन 1000 रु०

श्री सुदर्शन शर्मा जी पांचवी बार आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के प्रधान निर्वाचित

आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब (रजि.) गुरूदत भवन चौक किशनपुरा जालन्धर का त्रिवार्षिक चुनाव श्री विमल वधावन पर्यवेक्षक नई दिल्ली की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ जिसमें सर्वसम्मति से श्री सुदर्शन शर्मा जी को पांचवीं बार आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब का प्रधान निर्वाचित घोषित किया। इसमें सारे पंजाब की आर्य समाजों के लगभग 400 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इससे पूर्व साधारण अधिवेशन में महामंत्री प्रेम भारद्वाज ने पंजाब में आर्य समाज की गतिविधियों पर त्रिवार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की और सभा कोषाध्यक्ष श्री सुधीर शर्मा जी एवं महामंत्री श्री प्रेम भारद्वाज नवांशहर ने आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया जिसे सर्वसम्मति से आये हुये प्रतिनिधियों ने पारित कर दिया। आगामी तीन वर्ष के लिये आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के प्रधान पद पर श्री सुदर्शन कुमार जी का नाम श्री सरदारी लाल जी, श्री स्वतंत्र कुमार, श्री सुरेन्द्र मोहन तेजपाल जी, स्वामी सूर्यदेव जी, श्री विनोद कुमार नवांशहर, श्रीमती राजेश शर्मा जी लुधियाना, साथी विजय कुमार मोगा, श्री विजय सरीन लुधियाना, श्री भारत भूषण मेनन, सूर्यकान्त शोरी ने प्रस्तुत किया जिसका अनुमोदन, श्री विपिन शर्मा जी, श्री सुधीर शर्मा जी, श्री देवेन्द्र नाथ शर्मा जी, श्री अशोक परुथी जी एडवोकेट, श्री सुदेश कुमार जी, श्री रणजीत आर्य, चौधरी ऋषिपाल सिंह जी, श्री प्रेम भारद्वाज जी, श्री अरविन्द नारद जी, श्री सोहन लाल सेठ, श्री प्रविन्द्र चौधरी जी, श्री पीडी गोयल, श्री मनोज आर्य फिरोजपुर, श्री विजयानन्द, श्री राजिन्द्र कौडा रायकोट ने किया। इस तरह कोई और नाम प्रस्तुत न होने के कारण चुनाव पर्यवेक्षक श्री विमल वधावन ने सर्वसम्मति से आगामी तीन वर्ष के लिये श्री सुदर्शन शर्मा को आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब का प्रधान निर्वाचित घोषित किया। जिस पर सभी प्रतिनिधियों ने करतल ध्वनि से इस घोषणा का स्वागत किया। श्री सुदर्शन शर्मा जी लगातार पांचवीं बार आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के प्रधान सर्वसम्मति से चुने गये। श्री सुदर्शन शर्मा जी दानवीर स्व.पंडित हरबंस लाल जी के बड़े सुपुत्र हैं और जालन्धर शहर के प्रमुख उद्योगपति हैं और एच.आर. इंटरनैशनल ग्रुप आफ इंडस्ट्रीज के मैनेजिंग डायरैक्टर हैं। सभा प्रधान जी ने अपने सम्बोधन में कहा कि आर्य समाज पंजाब में नशे के विरूद्ध आन्दोलन चलाएगा।

आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के पांचवीं बार प्रधान निर्वाचित होने पर श्री सुदर्शन शर्मा जी।

श्री सुरेन्द्र मोहन तेजपाल नवांशहर और श्री सरदारी लाल जी आर्य ने एक अन्य प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुये कहा कि सभी पदाधिकारियों, अन्तरंग सदस्यों, आर्य विद्या सभा, सार्वदेशिक सभा, आर्य विद्या परिषद तथा अन्य समितियों के सदस्य मनोनीत करने का अधिकार नवनिर्वाचित प्रधान श्री सुदर्शन शर्मा को दे दिया जाये जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया। पर्यवेक्षक श्री विमल वधावन नई दिल्ली ने आर्य समाज की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुये कहाकि देश में बढ़ रहा भ्रष्टाचार, भ्रूण हत्या, पाखण्ड़वाद, आतंकवाद, नौजवानों में बढ़ रही नशे की आदत और महिलाओं के उत्पीड़न जैसी समस्याओं पर गहरी चिंता प्रकट की। सभा के नवनिर्वाचित प्रधान श्री सुदर्शन शर्मा ने सर्वसम्मति से प्रधान चुने जाने पर सभी आये हुये प्रतिनिधियों का आभार प्रकट किया और आर्य समाज के कार्य तथा देव दयानन्द के मिशन को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि आज का युवक नशे की ओर आकर्षित होकर अपना भविष्य खराब कर रहा है इससे आने वाली पीढ़ी बर्बाद हो रही है इसलिये आज आर्य समाज की पहले से भी ज्यादा जरूरत महसूस की जा रही है। आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब (रजि.) गुरूदत भवन चौक किशनपुरा जालन्धर का त्रिवार्षिक चुनाव आर्य समाज ऋषिकुंज पक्का बाग जालन्धर, अड्डा होशियारपुर जालन्धर, वेद मंदिर भार्गव नगर जालन्धर, संत नगर जालन्धर, आर्य नगर जालन्धर, शास्त्री नगर जालन्धर, गांधी नगर एक व दो, बस्ती दानिशमंदा जालन्धर, कबीर नगर जालन्धर, दयानन्द चौक गढा जालन्धर, किशनपुरा जालन्धर, मुहल्ला गोविन्द गढ़ जालन्धर, बस्ती गुजां जालन्धर, शहीद भगत सिंह नगर जालन्धर, जालन्धर छावनी, प्रीत नगर जालन्धर, बस्ती बाबा खेल जालन्धर, स्त्री आर्य समाज श्रद्धानन्द बाजार लुधियाना, जवाहर नगर लुधियाना, फील्डगंज लुधियाना, रायकोट, महर्षि दयानन्द

(शेष पृष्ठ 6 पर)

2 अप्रैल 2017 रविवार को आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब (रजि.) के त्रिवार्षिक साधारण अधिवेशन (चुनाव) के अवसर पर सभा कार्यालय में उपस्थिति पंजिका पर हस्ताक्षर करते हुये सभा प्रधान श्री सुदर्शन शर्मा जी। उनके साथ हैं सभा कोषाध्यक्ष श्री सुधीर शर्मा, सभा महामंत्री श्री प्रेम भारद्वाज, श्री स्वतंत्र कुमार उप प्रधान, श्री अशोक परूथी जी एडवोकेट रजिस्ट्रार एवं अन्य।

सभा के त्रिवार्षिक साधारण अधिवेशन (चुनाव) के अवसर पर सभा कार्यालय में यज्ञशाला में यज्ञ करते हुये सभा प्रधान श्री सुदर्शन शर्मा जी, सभा महामंत्री श्री प्रेम भारद्वाज, श्री सरदारी लाल जी आर्य उप प्रधान, श्री सुधीर शर्मा कोषाध्यक्ष, चौधरी ऋषिपाल सिंह जी एडवोकेट, श्री अशोक परूथी जी एडवोकेट रजिस्ट्रार, श्री स्वतंत्र कुमार जी उप प्रधान, श्री विमल वधावन जी एडवोकेट एवं अन्य।

हवन के पश्चात सभा प्रधान श्री सुदर्शन शर्मा एवं सभा महामंत्री श्री प्रेम भारद्वाज जी को पुष्प वर्षा कर आशीर्वाद देते पंजाब भर की आर्य समाजों से आए हुये प्रतिनिधि एवं सभा अधिकारी।

हवन यज्ञ के पश्चात सभा कार्यालय में ध्वजारोहण करते हुये सभा प्रधान जबकि उनके साथ खड़े है अन्य पदाधिकारी एवं पंजाब भर की आर्य समाजों से आए हुये प्रतिनिधि महानुभाव।

आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के बड़े हाल में साधारण अधिवेशन की कार्यवाही का आरम्भ होने से पूर्व पंजाब भर की आर्य समाजों से आए हुये प्रतिनिधि महानुभाव।

साधारण अधिवेशन की कार्यवाही से पूर्व मंच पर बैठे हुये सभा अधिकारी।

पंजाब भर की आर्य समाजों से पधारे हुये प्रतिनिधियों के सम्मुख आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब की गत तीन वर्षों की गतिविधियों का ब्यौरा देते हुये सभा के महामंत्री श्री प्रेम भारद्वाज।

गत तीन वर्षों की रिपोर्ट सुनते हुये प्रतिनिधि महानुभाव।

साधारण अधिवेशन (चुनाव) की कार्यवाही आरम्भ करते हुये चुनाव अधिकारी श्री विमल वधावन जी एडवोकेट।

श्री सरदारी लाल जी आर्य प्रधान पद के लिये श्री सुदर्शन शर्मा जी का नाम प्रस्तुत करते हुये।

हाथ खड़े करके प्रधान पद के लिये श्री सुदर्शन शर्मा जी के नाम का अनुमोदन करते हुये प्रतिनिधि।

आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के प्रधान निर्वाचित होने पर पुष्पमालाओं से स्वागत करते हुये श्री प्रेम भारद्वाज, स्वामी सूर्यदेव जी, श्री अशोक परूथी जी एडवोकेट एवं अन्य।

सभी प्रतिनिधि महानुभावों का हार्दिक धन्यवाद

आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब (रजि.) के त्रिवार्षिक साधारण अधिवेशन के अवसर पर 2 अप्रैल 2017 को सभा के साथ सम्बन्धित पंजाब की समस्त आर्य समाजों के प्रतिनिधि महानुभावों ने सर्वसम्मति से प्रधान चुनकर मुझमें जो अपना विश्वास प्रकट किया है इसके लिए मैं सभी महानुभावों का हार्दिक धन्यवाद करता हूँ। आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब कार्यालय गुरूदत्त भवन चौक किशनपुरा जालन्धर में हुए इस त्रिवार्षिक साधारण अधिवेशन में आप लोगों ने मुझे प्रधान चुनकर जो उत्तरदायित्व सौंपा है, मैं पूर्ण निष्ठा के साथ उस दायित्व का वहन करूंगा, परन्तु मुझे आप लोगों का उसी प्रकार सहयोग चाहिए जो आपने पिछले तीन वर्षों में दिया है। आप लोगों का सहयोग और कर्मठता ही मेरे लिए प्रेरणास्रोत है।

आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब (रजि.) एक ऐसा संगठन है जिसका सम्पूर्ण आर्य जगत में अपना एक महत्वपूर्ण स्थान है। सभा के द्वारा किया जाने वाला प्रत्येक कार्य महर्षि दयानन्द के नियमानुसार संसार का उपकार करने के लिए होता है। आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के चुनाव चिरकाल से सर्वसम्मति से होते चले आ रहे हैं। इस बार भी सभा का चुनाव सर्वसम्मति से सम्पन्न हुआ जिसके लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं। आप लोगों की जागरूकता और सूझबूझ ने सभा की परम्परा को कायम रखा। मैं सोच रहा था कि आप लोगों का किस प्रकार धन्यवाद करूं। कुछ शब्दों के द्वारा धन्यवाद नहीं किया सकता। इसलिए मैं हृदय की गहराईयों से आप सभी का धन्यवाद करता हूँ। किसी भी संगठन की उन्नति उनके प्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं पर निर्भर करती है। वही संगठन फलता फूलता है जहाँ आपसी गतिरोध और मन में वैमनस्य की भावना नहीं होती। जिस संगठन के अन्दर संगच्छध्वं, संवदध्वं की भावना के अनुसार कार्य करने की इच्छाशक्ति होती है, उस संगठन में कभी विघटन की स्थिति पैदा नहीं होती है। इस बात का मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सभी अपने-अपने क्षेत्र में अवश्य संगठन की उन्नति की ओर विशेष ध्यान देंगे। हम जितना संगठन के साथ लोगों को जोड़ेगे उतना ही संगठन मजबूत होगा और हम महर्षि दयानन्द के उद्देश्य को पूरा कर पाएंगे। सलिए हम अधिक से अधिक लोगों को आर्य समाज के साथ जोड़ने का प्रयास करें।

आर्य बन्धुओं ! आज राष्ट्र का नई दिशा देने के लिए आर्य समाज के संगठन को मजबूत बनाने की आवश्यकता है। 142 वर्ष पूर्व आर्य समाज की स्थापना के समय समाज और देश की परिस्थितियों और आज की परिस्थितियों में जमीन आसमान का अन्तर है। उस समय आर्य समाज ने जिन कार्यों के द्वारा समाज सुधार का कार्य प्रारम्भ किया था, आजादी के बाद सरकार को कानून बनाकर उन कार्यों को लागू करना पड़ा। आर्य समाज ने ही नारी शिक्षा एवं उसके अधिकारों के लिए आवाज को बुलन्द किया, बाल विवाह और सती प्रथा जैसी सामाजिक कुरीति को दूर करने के लिए आर्य समाज प्रयास किया। उस समय परिस्थितियों के अनुसार प्रारम्भ किए गए कार्य बाद में सरकार के कार्यक्रम में सम्मिलित हो गए। परन्तु वर्तमान में समाज में फिर से अनेकों कुरीतियां फैल रही हैं। लोग अपनी सत्य सनातन वैदिक संस्कृति को भूलकर पाश्चात्य संस्कृति का अनुसरण करने लगे हैं। लोगों का खान-पान, रहन-सहन पाश्चात्य संस्कृति के अनुसार हो गया है। लोगों के जीवन में ईश्वर भक्ति, माता पिता की सेवा अपनी धर्म एवं संस्कृति के प्रति प्रेम आदि समाप्त होता जा रहा है। संयुक्त परिवार समाप्त हो रहे हैं। परिणामस्वरूप घर में माता-पिता के लिए कोई स्थान नहीं है। बच्चे माता-पिता की सेवा करने के स्थान पर उन्हें वृद्धाश्रम में भेजते हैं इसी कारण प्रत्येक शहरों में वृद्धाश्रम बढ़ते जा रहे हैं। नशा समाज के लिए एक अभिशाप बन चुका है। नशे के कारण कई परिवार उजड़ रहे हैं। पाखण्ड और अन्धविश्वास भी बढ़ने लगे हैं। निर्मल बाबा जैसे अनेकों ढोंगी समोसे, चटनी, रसगुल्ले खिलाकर लोगों की समस्या का समाधान करने का दावा करते हैं। भोली-भाली जनता उनके बिछाए जाल में फंसकर उनके उत्पीड़न का शिकार होती है। ऐसे विकट समय में आर्य समाज को जागरूक होने की आवश्यकता है।

मैं आप सभी सम्पूर्ण पंजाब के प्रतिनिधियों ने निवेदन करना चाहता हूं कि आप सभी अपने-अपने क्षेत्र में आर्य समाज की गतिविधियों का विस्तार करें। सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ अभियान चलाने वाला एवं देश की आजादी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला संगठन निष्क्रिय नहीं होना चाहिए। आर्य समाज के सिवाय कोई संस्था ऐसी नहीं दिखाई पड़ती जो इन सब कुरीतियों को दूर करने का माद्दा रखती हो। आज हमें लोगों को अपनी संस्कृति की ओर मोड़ना होगा। कुरीतियों का ड्टकर मुकाबला करना पडेगा। इन सबके लिए हमें एकजुट होकर कार्य करना होगा। हम सभी अपने दायित्व का पालन करते हुए अपने - अपने क्षेत्र में आर्य समाज की गतिविधियों को बढ़ाएं और ज्यादा से ज्यादा लोगों को आर्य समाज के साथ जोड़े। हमारी सक्रियता से ही समाज में जागृति की लहर आएगी।

आर्य समाज के साथ लोगों को जोड़ने के लिए हमें उनमें साहित्य को पढ़ने की रूचि पैदा करनी होगी। महर्षि दयानन्द द्वारा लिखित सत्यार्थ प्रकाश, संस्कारविधि, व्यवहारभानु, गोकरूणानिधि, आर्योद्देश्यरत्नमाला, पंचमहायज्ञविधि आदि पुस्तकों को आम जनता के बीच बाँटकर लोगों में साहित्य के प्रति जागृति पैदा की जा सकती है। वेद का पढ़ना-पढ़ाना प्रत्येक आर्य परिवार के लिए अनिवार्य होना चाहिए। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि सभा इस कार्य के लिए आपका भरपूर सहयोग करेगी। सभा का सारा साहित्य वेद प्रचार के लिए आधे मूल्य पर हमेशा उपलब्ध रहता है। सभा का वेद प्रचार विभाग इस बात के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहेगा कि किसी भी आर्य समाज को उपदेशक, भजनोपदेशक व वैदिक साहित्य की कमी महसूस न हो। सभी आर्य समाजें आर्य वीर दल की ओर विशेष ध्यान दें। आर्य वीर दल का गठन करके युवाओं के निर्माण की ओर विशेष सहयोग दें। आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब प्रत्येक जिले में आर्य वीर दल के शिविर का आयोजन करके युवाओं को वैदिक सिद्धान्तों की प्रति जागरूक करेगी।

अन्त में मैं एक बार पुन: आप सभी प्रतिनिधि महानुभावों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ और आपको पूर्ण रूप से आशवस्त करता हूँ कि आपके द्वारा दिए गए दायित्व का पूर्ण निष्ठा से वहन करूँगा और आप सबके सहयोग से वेद प्रचार के कार्य को आगे बढ़ाने का प्रयास करूंगा। मैं आशा करता हूँ कि आपका सहयोग मुझे इसी प्रकार मिलता रहेगा और हम संगच्छध्वं, संवदध्वं की भावना को अपनाते हुए आर्य समाज की उन्नति के लिए एकजुट होकर कार्य करेंगे।

सुदर्शन शर्मा
प्रधान आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब

बाजार लुधियाना, स्त्री आर्य समाज दाल बाजार लुधियाना, साहनेवाल, समराला, आर्य समाज हबीबगंज लुधियाना, साबुन बाजार लुधियाना, फोकल प्वायंट लुधियाना, नवाशंहर, औड, राहों, आर्य समाज बंगा, आर्य समाज चौक पटियाला, राजपुरा, सरहिन्दी गेट पटियाला, घिलौडी गेट पटियाला, नाभा, सरहिन्द, औहरी चौक बटाला, स्त्री आर्य समाज बटाला, धारीवाल, डेरा बाबा नानक, फतेहगढ चूडिया, गुरुकुल विभाग गुरदासपुर, आर्य समाज चौक बठिंडा, सिरकी बाजार बठिंडा, सिकन्दरपुरा बठिंडा, बुढलाडा, बस्ती टैंकावाली फिरोजपुर, जी.टी रोड फिरोजपुर छावनी, फिरोजपुर शहर, अबोहर, फाजिल्का, जीरा, जलालाबाद, सुलतानपुर लोधी, गौशाला रोड फगवाडा, बंगा रोड फगवाडा, फरीदकोट, कोटकपूरा, जैतों, मुक्तसर, गिदडवाहा, बरनाला, तपा, धूरी, संगरूर, मालेरकोटला, सुजानपुर, मेन बाजार पठानकोट, बाजार श्रद्धानन्द अमृतसर, जंडियाला गुरु, आर्य समाज नवांकोट अमृतसर, शक्ति नगर अमृतसर, मोगा, नया नंगल, मोरिण्डा, सैक्टर 55-56 चण्डीगढ, मोहाली, खरड़, कमालपुर होशियारपुर, तलवाडा टाउनशिप, सुपर मार्किट रामां व अन्य कई आर्य समाजों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इससे पूर्व श्री अरुण कुमार जी भजनोपदेशक का सुन्दर भजन हुआ।

लुधियाना से बहिन राजेश शर्मा जी एवं श्री विजय सरीन जी प्रधान निर्वाचित होने पर श्री सुदर्शन शर्मा जी को बधाई देते हुये।

फरीदकोट आर्य समाज के प्रतिनिधि प्रधान निर्वाचित होने पर श्री सुदर्शन शर्मा जी को बधाई देते हुये।

श्री देवेन्द्र नाथ शर्मा जी प्रधान निर्वाचित होने पर श्री सुदर्शन शर्मा जी एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती गुलशन शर्मा जी को बधाई देते हुये।

आर्य समाज चौक बठिंडा से श्री पी.डी.गोयल, स्वामी सूर्यदेव जी एवं अश्विनी मोगा जी प्रधान निर्वाचित होने पर श्री सुदर्शन शर्मा जी को बधाई देते हुये।

श्री सुदर्शन शर्मा जी के आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब का प्रधान निर्वाचित होने के पश्चात संयुक्त चित्र खिचवाते हुये श्री देवेन्द्र नाथ शर्मा, श्री रणजीत आर्य, श्री प्रेम भारद्वाज, श्री विमल वधान जी, श्री स्वतंत्र कुमार जी, स्वामी सूर्यदेव जी एवं अन्य।

सभा प्रधान श्री सुदर्शन शर्मा जी समस्त पंजाब से आए हुये आर्य समाज के प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुये एवं धन्यवाद करते हुये।